" फलों का पेड़ "

ए. एस. बलगीर

दिनांक: 18. 8. 1988.

प्रकृति में तरह-तरह के पेड़ पौधे देखने को मिलते हैं । हर एक का अपना-अपना रंग , स्वाद , सौन्दर्य तथा आकर्षण होता है । कई पौधों पर सुन्दर फूल आते हैं जो दूर-दूर से हर मनुष्य तथा पंछियों को आकर्षित करते हैं । कई पेड़ हमें फल देते हैं जैसे आम, सेब, संतरे, अंगूर आदि जो बड़े ही स्वादिष्ट तथा शक्तिवर्धक होते हैं।

सिंबल का पेड़ बहुत विशाल होता है मगर उसके फल, फूल तथा पत्तियां किसी काम में नहीं आते । दूसरी तरफ एक चमेली है जो सिर्फ एक दिन ही खिलती है मगर उसकी खुशबू सारा दिन सबका मन मोह लेती है । सिंबल जैसे पेड़ का क्या लाभ हुआ जो किसी भी काम न आये । इससे अच्छी तो चमेली ही हुई जो एक दिन में ही सबको खुश कर देती है ।

जिस पेड़ पर ज्यादा फल आते हैं वह नीचे को झुक जाता है । ऐसे ही जो मनुष्य ज्यादा गुणों वाले होते हैं वह सबको आकर्षित करके रखते हैं । उनका व्यवहार सभी को अच्छा लगता है और वह समाज में आँखों के तारे की तरह प्रिय बनकर जीते हैं ।

हमें अपने जीवन में बहुत से गुणों को ग्रहण करना चाहिये जिनमें से विनम्रता भी एक है । जिस प्रकार फलों से लदा हुआ पेड़ झुक कर रहता है तथा सभी मनुष्य एवं पंछी उसे सराहते हैं उसी प्रकार हमें भी झुककर अर्थात विनम्रता के साथ रहना चाहिये जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों के काम हम आ सकें तथा ज्यादा से ज्यादा लोग हमें प्रेम एवं आदर दे सकें ।